

National Education Policy-2020

शैक्षणिक सत्र 2025-26 से प्रभावी

SYLLABUS KUMAUN UNIVERSITY, NAINITAL

**STRUCTURE FOR FOURTH YEAR UNDER GRADUATE/
HONOURS HINDI SYLLABUS**

हिन्दी एवं अन्य भारतीय भाषा विभाग

EXPERT COMMITTEE

S.N.	Name	Designation	Department	Affiliation
01	PROF. CHANDRAKALA RAWAT	PROFESSOR	HINDI	DSB CAMPUS, KUMAUN UNIVERSITY, NAINITAL
02	PROF. NIRMALA DHAILA BORA	PROFESSOR & HEAD/CONVENER	HINDI	DSB CAMPUS, KUMAUN UNIVERSITY, NAINITAL
03	PROF. SHIRISH KUMAR MOURYA	PROFESSOR	HINDI	DSB CAMPUS, KUMAUN UNIVERSITY, NAINITAL
04	PROF. PREETI ARYA	PROFESSOR	HINDI	SOBAN SINGH JEENA, ALMORA UNIVERSITY
05	PROF. MUKTINATH YADAV	PROFESSOR	HINDI	SHRIDEV SUMAN UNIVERSITY, RISHIKESH
06	DR. SHASHANK SHUKLA	ASSOCIATE PROFESSOR	HINDI	UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY, HALDWANI
07	DR. SHUBH MATIYANI	ASSISTANT PROFESSOR	HINDI	DSB CAMPUS, KUMAUN UNIVERSITY, NAINITAL
08	DR. SHASHI PANDE	ASSISTANT PROFESSOR	HINDI	DSB CAMPUS, KUMAUN UNIVERSITY, NAINITAL
09	MISS MEDHA NAILWAL	ASSISTANT PROFESSOR (C)	HINDI	DSB CAMPUS, KUMAUN UNIVERSITY, NAINITAL
10	PROF. SARIKA KALRA	PROFESSOR & EXTERNAL EXPERT	HINDI	LSR. COLLEGE, DELHI UNIVERSITY, NEW DELHI
11	DR. SATYA PRAKASH SINGH	ASSOCIATE PROFESSOR & EXTERNAL EXPERT	HINDI	DELHI UNIVERSITY, NEW DELHI

SYLLABUS PREPARATION COMMITTEE

S.N.	Name	Designation	Department	Affiliation
01	PROF. CHANDRAKALA RAWAT	PROFESSOR	HINDI	DSB CAMPUS, KUMAUN UNIVERSITY, NAINITAL
02	PROF. NIRMALA DHAILA BORA	PROFESSOR & HEAD/CONVENER	HINDI	DSB CAMPUS, KUMAUN UNIVERSITY, NAINITAL
03	PROF. SHIRISH KUMAR MOURYA	PROFESSOR	HINDI	DSB CAMPUS, KUMAUN UNIVERSITY, NAINITAL
04	PROF. PREETI ARYA	PROFESSOR	HINDI	SOBAN SINGH JEENA, ALMORA UNIVERSITY
05	PROF. MUKTINATH YADAV	PROFESSOR	HINDI	SHRIDEV SUMAN UNIVERSITY, RISHIKESH
06	DR. SHASHANK SHUKLA	ASSOCIATE PROFESSOR	HINDI	UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY, HALDWANI
07	DR. SHUBH MATIYANI	ASSISTANT PROFESSOR	HINDI	DSB CAMPUS, KUMAUN UNIVERSITY, NAINITAL
08	DR. SHASHI PANDE	ASSISTANT PROFESSOR	HINDI	DSB CAMPUS, KUMAUN UNIVERSITY, NAINITAL
09	MISS MEDHA NAILWAL	ASSISTANT PROFESSOR (C)	HINDI	DSB CAMPUS, KUMAUN UNIVERSITY, NAINITAL
10	PROF. SARIKA KALRA	PROFESSOR & EXTERNAL EXPERT	HINDI	LSR. COLLEGE, DELHI UNIVERSITY, NEW DELHI
11	DR. SATYA PRAKASH SINGH	ASSOCIATE PROFESSOR & EXTERNAL EXPERT	HINDI	DELHI UNIVERSITY, NEW DELHI

अनुक्रमणिका

प्रश्नपत्रों की सूची		
Programme Specific Outcomes (PSOs)		
सप्तम सत्रार्द्ध	कोर्स	क्रेडिट
भारतीय काव्यशास्त्र	DSC ⁷	4
आदिकालीन एवं निर्गुण भक्तिकाव्य	DSE ⁵	4
सगुण भक्ति काव्य एवं रीतिकालीन काव्य	DSE ⁶	4
हिन्दी आलोचना अथवा हिन्दी शोध प्रविधि	DSE ⁷	4
आदिकालीन एवं निर्गुण भक्तिकाव्य	DSE ⁵	4
सगुण भक्ति काव्य एवं रीतिकालीन काव्य	DSE ⁶	4
अनुवाद : प्रकृति प्रकार और स्वरूप	GE ⁷	4
आदिकालीन एवं निर्गुण भक्तिकाव्य	DSE ⁵	4
अनुवाद : प्रकृति प्रकार और स्वरूप	GE ⁷	4
हिन्दी पत्रकारिता	GE ⁸	4
Dissertation on Major	Dissertation	6
Dissertation on Minor	Dissertation	6
Academic Project/ Enterprenureship	Dissertation	6
अष्टम सत्रार्द्ध	कोर्स	क्रेडिट

पाश्चात्य काव्यशास्त्र	DSC ⁸	4
हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)	DSE ⁸	4
हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास (आधुनिककाल)	DSE ⁹	4
आधुनिक काव्य (छायावाद तक)	DSE ¹⁰	4
हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)	DSE ⁸	4
हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास (आधुनिककाल)	DSE ⁹	4
आधुनिक पाश्चात्य विचारधाराएं और सिद्धांत	GE ⁹	4
हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)	DSE ⁸	4
आधुनिक पाश्चात्य विचारधाराएं और सिद्धांत	GE ⁹	4
विशिष्ट अध्ययन : कबीर	GE ¹⁰	4
Dissertation on Major	Dissertation	6
Dissertation on Minor	Dissertation	6
Academic Project/ Enterprenureship	Dissertation	6
विशिष्ट अध्ययन : प्रेमचन्द	GE ¹³	4
विशिष्ट अध्ययन : सूरदास	GE ¹⁴	4
Dissertation on Major	Dissertation	6
Dissertation on Minor	Dissertation	6
Academic Project/ Enterprenureship	Dissertation	6

List of all Papers					
Semester-wise Titles of the Papers in HINDI					
Year	Sem.	Course Code	Paper Title	Theory/ Practical	Credits
FYUP/Honours in the Core Subject- HINDI					
FOURTH YEAR	VII	DSC ⁷	भारतीय काव्यशास्त्र	Theory	4
	GROUP -1	DSE ⁵	आदिकालीन एवं निर्गुण भक्तिकाव्य	Theory	4
		DSE ⁶	सगुण भक्ति काव्य एवं रीतिकालीन काव्य	Theory	4
		DSE ⁷	हिन्दी आलोचना अथवा हिन्दी शोध प्रविधि	Theory	4
	GROUP -2	DSE ⁵	आदिकालीन एवं निर्गुण भक्तिकाव्य	Theory	4
		DSE ⁶	सगुण भक्ति काव्य एवं रीतिकालीन काव्य	Theory	4
		GE ⁷	अनुवाद : प्रकृति प्रकार और स्वरूप	Theory	4
	GROUP -3	DSE ⁵	आदिकालीन एवं निर्गुण भक्तिकाव्य	Theory	4
		GE ⁷	अनुवाद : प्रकृति प्रकार और स्वरूप	Theory	4
		GE ⁸	हिन्दी पत्रकारिता	Theory	4
		Dissertation	Dissertation on Major	Theory	6
			Dissertation on Minor	Theory	
			Academic Project/ Enterprenureship	Theory	
	VIII	DSC ⁸	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	Theory	4

	GROUP	DSE ⁸	हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)	Theory	4
	-1	DSE ⁹	हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास (आधुनिककाल)	Theory	4
		DSE ¹⁰	आधुनिक काव्य (छायावाद तक)	Theory	4
	GROUP	DSE ⁸	हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)	Theory	4
	-2	DSE ⁹	हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास (आधुनिककाल)	Theory	4
		GE ⁹	आधुनिक पाश्चात्य विचारधाराएं और सिद्धांत	Theory	4
	GROUP	DSE ⁸	हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)	Theory	4
	-3	GE ⁹	आधुनिक पाश्चात्य विचारधाराएं और सिद्धांत	Theory	4
		GE ¹⁰	विशिष्ट अध्ययन : कबीर	Theory	4
		Dissertation	Dissertation on Major	Theory	6
			Dissertation on Minor	Theory	
			Academic Project/ Enterprenureship	Theory	

(हिन्दी विषय का पाठ्यक्रम)									
IV	VII	DSC / Credit 4 भारतीय काव्यशास्त्र	DSE / Credit 4	DSE / Credit 4	DSE / Credit 4	Dissertation /6 credits			
			आदिकालीन एवं निर्गुण भक्तिकाव्य	सगुण भक्ति काव्य एवं रीतिकालीन काव्य	हिन्दी आलोचना अथवा हिन्दी शोध प्रविधि	Dissertation on Major			
			OR						
			DSE / Credit 4	DSE / Credit 4	GE/ Credit 4				
			आदिकालीन एवं निर्गुण भक्तिकाव्य	सगुण भक्ति काव्य एवं रीतिकालीन काव्य	अनुवाद : प्रकृति प्रकार और स्वरूप	Dissertation on Minor			
			OR						
			DSE / Credit 4	GE/ Credit 4	GE/ Credit 4				
			आदिकालीन एवं निर्गुण भक्तिकाव्य	अनुवाद : प्रकृति प्रकार और स्वरूप	हिन्दी पत्रकारिता	Academic Project/ Enterprenu reship			

	VIII	DSC / Credit 4 पाश्चात्य कव्यशास्त्र	DSE / Credit 4	DSE / Credit 4	DSE / Credit 4	Dissertation /6 credits			
			हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)	हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास (आधुनिककाल)	आधुनिक काव्य (छायावाद तक)	Dissertation on Major			
			OR						
			DSE / Credit 4	DSE / Credit 4	GE/ Credit 4				
			हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिककाल)	आधुनिक पाश्चात्य विचारधाराएं और सिद्धांत	Dissertation on Minor			
			OR						
			DSE / Credit 4	GE/ Credit 4	GE/ Credit 4				
			हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)	आधुनिक पाश्चात्य विचारधाराएं	विशिष्ट अध्ययन : कबीर	Academic Project/ Enterprenu reshup			

Programme Specific Outcomes (PSOs) FYUP/Honours/ Honours

PSO 1	शिक्षार्थी परास्नातक डिप्लोमा/ऑनर्स उपाधि पाठ्यक्रम के अन्तर्गत DSC विषय के रूप में भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का आधारभूत एवं सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करेगा।
PSO 2	शिक्षार्थी परास्नातक डिप्लोमा/ऑनर्स उपाधि पाठ्यक्रम के अन्तर्गत DSE विषय के रूप में आदिकालीन काव्य, रीतिकालीन काव्य, हिंदी आलोचना, छायावादी काव्य एवं हिंदी साहित्य के इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल) का आधारभूत एवं सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करेगा।
PSO 3	शिक्षार्थी परास्नातक डिप्लोमा/ऑनर्स उपाधि पाठ्यक्रम के अन्तर्गत GE विषय के रूप में अनुवाद : प्रकृति प्रकार और स्वरूप , हिंदी पत्रकारिता, आधुनिक पाश्चात्य विचारधाराओं एवं विशिष्ट अध्ययन के रूप में कबीर का आधारभूत एवं सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करेगा।
PSO 4	शिक्षार्थी परास्नातक डिप्लोमा/ऑनर्स उपाधि पाठ्यक्रम के अन्तर्गत लघु शोध प्रबंध लेखन करते हुए शोध का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करेगा।
PSO 5	शिक्षार्थी परास्नातक उपाधि के लिए आधारभूत समावेशी ज्ञान तथा व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करेगा।

FYUP/ Honours in the Core Subject - HINDI

SEMESTER - VII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSC : भारतीय काव्यशास्त्र	4	3	1	0		Nil

FYUP/Honours in the Core Subject		
Programme: -HINDI	Year: IV	Semester:VII Paper-DSC
CourseCode: DSC ⁷	Course Title: भारतीय काव्यशास्त्र	
Course Outcome		
CO1. शिक्षार्थी भारतीय काव्यशास्त्र की अत्यन्त समृद्ध परम्परा का ऐतिहासिक व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।		
CO2.शिक्षार्थी काव्य लक्षणों, काव्य हेतु तथा काव्य प्रयोजनों के अध्ययन से कविता के शिल्प और विषयवस्तु से लेकर उसके वृहद् सामाजिक उद्देश्यों तक आलोचना का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।		

CO3.विभिन्न काव्य तत्वों के संधान के आधार पर परम्परा में आचार्यों ने काव्य विवेचन किया, फलस्वरूप रस, अलंकार, रीति, ध्वनि, वक्रोक्ति एवं औचित्य सम्प्रदाय अस्तित्व में आए, जो पश्चिमी काव्य चिंतन में इस विस्तार के साथ नहीं मिलती। शिक्षार्थी इन काव्य सम्प्रदायों के अध्ययन से भारतीय परम्परा में काव्य चिंतन की विलक्षणता, गहराई और सैद्धान्तिक विस्तार का ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits: 4		Discipline Specific Course	
Unit	Topic	No. of Hours	
Unit I	काव्यशास्त्र: परिभाषा, काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन एवं काव्य भेद।	10	
Unit II	रस संप्रदाय: रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति, साधारणीकरण	10	
Unit III	अलंकार संप्रदाय, रीति संप्रदाय	10	
Unit IV	ध्वनि संप्रदाय	10	
Unit V	वक्रोक्ति संप्रदाय एवं औचित्य संप्रदाय।	10	
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	10	

सहायक ग्रंथ-

1. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र : गणपति चंद्र गुप्त, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. भारतीय काव्य विमर्श : राममूर्ति त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. भारतीय काव्यशास्त्र : तारकनाथ बाली, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका : योगेन्द्र प्रताप सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

SEMESTER - VII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : आदिकालीन एवं निर्गुण भक्तिकाव्य	4	3	1	0		Nil

FYUP/Honours in the Core Subject		
GROUP- 1		
Programme: -HINDI		Year: IV Semester:VII Paper-DSE
CourseCode: DSE ⁵	Course Title: आदिकालीन एवं निर्गुण भक्तिकाव्य	
Course Outcomes:		
CO1. शिक्षार्थी आदिकाल के कवि अब्दुल रहमान की कृति संदेस रासक के अध्ययन से हिन्दी भाषा के आदिकालीन तथा अपभ्रंश के परवर्ती रूप अवहट्ट का परिचय तथा ज्ञान प्राप्त करता है।		
CO2.शिक्षार्थी आदिकाल के प्रसिद्ध महाकाव्य पृथ्वीराज रासो के अध्ययन से वीरकाव्य की परम्परा तथा आदिकालीन हिन्दी के राजस्थानी प्रभाव वाले अवहट्ट रूप का परिचय तथा ज्ञान प्राप्त करता है।		
CO3.संस्कृत में जयदेव का गीतकाव्य अत्यन्त महत्वपूर्ण है। हिन्दी में यह महत्व विद्यापति को प्राप्त है। शिक्षार्थी विद्यापति के पदों के अध्ययन से गीतकाव्य की समृद्ध भारतीय परम्परा तथा मैथिली भाषा का परिचय तथा ज्ञान प्राप्त करेगा।		

CO4.शिक्षार्थी कबीर की वाणी का अध्ययन करते हुए हिन्दी भक्तिकाव्य में निर्गुण के स्वरूप तथा हिन्दी की संतकाव्य परम्परा का निकट परिचय तथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5.शिक्षार्थी मलिक मोहम्मद जायसी के महाकाव्य पद्मावत का अध्ययन करते हुए हिन्दी भक्तिकाव्य में प्रेमाश्रयी सूफी काव्यधारा का ऐतिहासिक एवं सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits: 4		Discipline Specific Electives
Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	अब्दुल रहमान: संदेश रासक, संपा. डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी (व्याख्या हेतु, प्रथम प्रक्रम)	10
Unit II	चंदबरदाई: (रेवा तट) पृथ्वीराज रासो	10
Unit III	विद्यापति: संपा. शिवप्रसाद सिंह (व्याख्या हेतु केवल रूप वर्णन)लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।)	10
Unit IV	कबीर: कबीर वाणी पीयूष, संपा. जयदेव सिंह/वासुदेव सिंह (व्याख्या हेतु प्रारंभ की 40 सांखियाँ एवं प्रारम्भ के 5 पद)विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।)	10
Unit V	मलिक मुहम्मद जायसी: पद्मावत – संपा. वासुदेवशरण अग्रवाल, लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद(व्याख्या हेतु केवल ‘नागमती वियोग’ वर्णन खंड।)	10
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	10

सहायक ग्रंथ –

1. संदेश रासक : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. पृथ्वीराज रासो– भाषा और साहित्य : नामवर सिंह,राधाकृष्ण प्रकाशन
3. कबीर : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. कबीर – एक नई दृष्टि : रघुवंश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. भक्ति आंदोलन और काव्य : गोपेश्वर सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. आदिकालीन हिन्दी साहित्य –अध्ययन की दिशाएँ : सम्पादक -प्रो. अनिल राय, शिवालिक प्रकाशन, दिल्ली

SEMESTER - VII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : सगुण भक्तिकाव्य एवं रीतिकालीन काव्य	4	3	1	0		Nil

FYUP/Honours in the Core Subject			
Programme: -HINDI		Year: IV	Semester:VII Paper- DSE
CourseCode: DSE ⁶	Course Title: सगुण भक्तिकाव्य एवं रीतिकालीन काव्य		
Course Outcomes:			
CO1. शिक्षार्थी मध्यकालीन सगुण भक्तिधारा व उसकी शाखाओं से रीतिकालीन काव्य तक की विभिन्न धाराओं का ऐतिहासिक परिचय एवं सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।			
CO2. शिक्षार्थी सूरदास की रचनाओं का अध्ययन कर सगुण धारा की कृष्णभक्ति शाखा का आलोचनात्मक व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है तथा सूरदास के काव्य में उपस्थित प्रकृति और जीवन के लोक स्वरूप का साक्षात्कार कर पर्यावरण की सुन्दरता व उसके संरक्षण की अनिवार्यता के महत्व को समझता है।			
CO3. शिक्षार्थी तुलसी दास के काव्य का अध्ययन कर सगुण धारा की रामभक्ति शाखा का आलोचनात्मक व सैद्धान्तिक ज्ञान तथा विभिन्न धार्मिक-सामाजिक मान्यताओं व मतों के बीच समन्वय की दृष्टि प्राप्त करता है। यह समन्वयवादी दृष्टि शिक्षार्थी अपने निजी जीवन के भी विभिन्न क्षेत्रों में सफलता हेतु सहायक होती है।			
CO4. शिक्षार्थी केशवदास के काव्य के अध्ययन से भारतीय काव्यशास्त्र का परम्परागत ज्ञान प्राप्त करता है।			

CO5. शिक्षार्थी बिहारी के काव्य के अध्ययन से कविता में भाषा में मितकथन व अलंकारों के सटीक प्रयोग का रचनात्मक व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है, जिससे उसमें काव्यात्मक अभिरुचि का विकास एवं विस्तार होता।

CO6. शिक्षार्थी घनानंद की कविता के अध्ययन से सामाजिक रूढ़ियों के बीच प्रेम की विलक्षण अनुभूति से परिचित होता है, जिससे वह तत्कालीन से लेकर समकालीन समाज तक की सम्बन्ध आधारित जटिल संरचना के ज्ञान के साथ ही विवेचन की मनोवैज्ञानिक समझ भी प्राप्त करता है।

Credits: 4		Discipline Specific Electives
Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	सूरदास: भ्रमरगीत सार: संपा. आचार्य रामचंद्र शुक्ल (व्याख्या के लिए पद संख्या 50 से 75 तक) नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।	10
Unit II	तुलसीदास: विनयपत्रिका: (व्याख्या के लिए पद संख्या 51 से 75 तक) गीताप्रेस गोरखपुर।	10
Unit III	केशवदास: संक्षिप्त रामचन्द्रिका: संपा. डॉ. जगन्नाथ तिवारी। (व्याख्या हेतु अयोध्यापुरी वर्णन) रंजन प्रकाशन, सिटी स्टेशन मार्ग आगरा।	10
Unit IV	बिहारी: बिहारी रत्नाकर: संपा. जगन्नाथ दास रत्नाकर (व्याख्या हेतु प्रारंभिक 25 दोहे) प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली।	10
Unit V	घनानंद: घनानंद कवित्त: संपा. आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (व्याख्या हेतु आरंभ के 15 छंद)	10
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	10

सहायक ग्रंथ –

1. भक्ति आंदोलन और भक्तिकाव्य : शिवकुमार मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. सूरदास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. केशवदास : विजयपाल सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य- मैनेजर पांडेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. भक्ति का संदर्भ : देवीशंकर अवस्थी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. गोस्वामी तुलसीदास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

SEMESTER - VII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : हिन्दी आलोचना	4	3	1	0		Nil

FYUP/Honours in the Core Subject			
Programme: – Hindi		Year: IV	Semester:VII Paper- DSE
Course Code: DSE ⁷	Course Title: हिन्दी आलोचना		
Course Outcomes: CO1. शिक्षार्थी हिन्दी आलोचना के विकास क्रम का अध्ययन करते हुए आलोचना परम्परा का ज्ञान प्राप्त करता है। CO2. शिक्षार्थी आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की आलोचना दृष्टि और सिद्धान्तों का अध्ययन करते हुए ऐतिहासिक, सैद्धान्तिक और व्यावहारिक आलोचना का ज्ञान प्राप्त करता है। CO3. शिक्षार्थी आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी की आलोचना दृष्टि और सिद्धान्तों का अध्ययन करते हुए साहित्येतिहास की मौलिक समझ और ऐतिहासिक-सैद्धान्तिक आलोचना का ज्ञान प्राप्त करता है। CO4. शिक्षार्थी डॉ. रामविलास शर्मा के आलोचना सिद्धान्तों का अध्ययन करते हुए हिन्दी में प्रगतिशील आलोचना, भारतीय ज्ञान परम्परा तथा भाषा एवं समाज के अन्तःसम्बन्धों का आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है।			

CO5. शिक्षार्थी नामवर सिंह के आलोचना सिद्धान्तों का अध्ययन करते हुए हिन्दी की मार्क्सवादी- प्रगतिशील आलोचना, नयी समीक्षा तथा हिन्दी में पाश्चात्य आलोचना सिद्धान्तों के अनुप्रयोगों का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO6. शिक्षार्थी मुक्तिबोध के आलोचना कर्म का अध्ययन करते हुए कामायनी जैसे आधुनिक महाकाव्यों तथा आधुनिक कविता के आलोचना सिद्धान्तों का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO7. शिक्षार्थी डॉ. नगेन्द्र के आलोचना कर्म का अध्ययन करते हुए भारतीय परम्परा के रस सिद्धान्त की आधुनिक व्याख्या तथा प्राचीन पाश्चात्य काव्यशास्त्र परम्परा के नवीन अनुशीलन का ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits:4		Discipline Specific Electives
Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	हिन्दी आलोचना : परिचय, उद्भव एवं विकास	10
Unit II	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के आलोचना सिद्धान्त	10
Unit III	आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी के आलोचना सिद्धान्त	8
Unit IV	डॉ. रामविलास शर्मा के आलोचना सिद्धान्त	8
Unit V	नामवर सिंह के आलोचना सिद्धान्त	8
Unit VI	विशेष अध्ययन : मुक्तिबोध एवं डॉ. नगेन्द्र का आलोचना कर्म	8
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	8

सहायक ग्रंथ

1. हिन्दी आलोचना – विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिन्दी आलाचना – शिखरों का साक्षात्कार – रामचन्द्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन , इलाहाबाद
3. हिन्दी आलोचना का आलोचनात्मक इतिहास – डॉ. अमरनाथ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. हिन्दी आलोचना का विकास – मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

SEMESTER - VII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : हिन्दी शोध प्रविधि	4	3	1	0		Nil

FYUP/Honours in the Core Subject			
Programme: – Hindi		अथवा	Year: IV Semester:VII Paper- DSE
Course Code: DSE ⁷ A	Course Title: हिन्दी शोध प्रविधि		
Course Outcomes:			
CO1- शिक्षार्थी को हिन्दी की शोध प्रविधि का परिचय प्राप्त होता है।			
CO2- शिक्षार्थी को अनुसंधान की अवधारणा, क्षेत्रों तथा प्रयोजन का ज्ञान प्राप्त होता है।			
CO3- शिक्षार्थी को अनुसंधान के प्रकार एवं पद्धतियों का आधारभूत ज्ञान प्राप्त होता है।			
CO4- शिक्षार्थी को अनुसंधान की रूपरेखा योजना तथा शोध प्रबंध लेखन का आधारभूत ज्ञान प्राप्त होता है।			
Credits:4			Discipline Specific Electives
Unit	Topic		No. of Hours

Unit I	अनुसंधान का स्वरूप, अवधारणा और उसके विविध क्षेत्र, अनुसंधान का प्रयोजन, अनुसंधान तथा आलोचना	10
Unit II	अनुसंधान के प्रकार और उसकी पद्धतियाँ : ऐतिहासिक, भाषा वैज्ञानिक एवं शैली वैज्ञानिक, तुलनात्मक, समाजशास्त्रीय, अंतरानुशासनिक, मनोवैज्ञानिक, काव्यशास्त्रीय, पाठानुसंधान एवं पाठालोचन	10
Unit III	साहित्यिक अनुसंधान की मूल-दृष्टि और उसके तत्व	10
Unit IV	अनुसंधान के चरण: विषय चयन, विषय की रूपरेखा (अध्याय योजना), सामग्री संकलन और उसका उपयोग, शोध साहित्य-समीक्षा	10
Unit V	शोधकार्य की प्राक्कल्पना, उद्देश्य, और महत्व	8
Unit VI	शोध प्रबंध लेखन: शोध प्रबंध की आंगिक व्यवस्था, सामग्री का विभाजन तथा संयोजन, उद्धरण तथा संदर्भ- उल्लेख, उपसंहार, परिशिष्ट, ग्रंथ सूची एवं अनुक्रमणिका	8
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	4

पाठ्यपुस्तक

1. अनुसंधान प्रविधि – सिद्धांत और प्रक्रिया- एस. एन. गणेशन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

SEMESTER - VII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : आदिकालीन एवं निर्गुण भक्तिकाव्य	4	3	1	0		Nil

FYUP/Honours in the Core Subject			
GROUP- 2			
Programme: -HINDI		Year: IV	Semester:VII Paper-DSE
CourseCode: DSE ⁵	Course Title: आदिकालीन एवं निर्गुण भक्तिकाव्य		
Course Outcomes:			
CO1. शिक्षार्थी आदिकाल के कवि अब्दुल रहमान की कृति संदेस रासक के अध्ययन से हिन्दी भाषा के आदिकालीन तथा अपभ्रंश के परवर्ती रूप अवहट्ट का परिचय तथा ज्ञान प्राप्त करता है।			
CO2.शिक्षार्थी आदिकाल के प्रसिद्ध महाकाव्य पृथ्वीराज रासो के अध्ययन से वीरकाव्य की परम्परा तथा आदिकालीन हिन्दी के राजस्थानी प्रभाव वाले अवहट्ट रूप का परिचय तथा ज्ञान प्राप्त करता है।			
CO3.संस्कृत में जयदेव का गीतकाव्य अत्यन्त महत्वपूर्ण है। हिन्दी में यह महत्व विद्यापति को प्राप्त है। शिक्षार्थी विद्यापति के पदों के अध्ययन से गीतकाव्य की समृद्ध भारतीय परम्परा तथा मैथिली भाषा का परिचय तथा ज्ञान प्राप्त करेगा।			

CO4.शिक्षार्थी कबीर की वाणी का अध्ययन करते हुए हिन्दी भक्तिकाव्य में निर्गुण के स्वरूप तथा हिन्दी की संतकाव्य परम्परा का निकट परिचय तथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5.शिक्षार्थी मलिक मोहम्मद जायसी के महाकाव्य पद्मावत का अध्ययन करते हुए हिन्दी भक्तिकाव्य में प्रेमाश्रयी सूफी काव्यधारा का ऐतिहासिक एवं सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits: 4		Discipline Specific Electives
Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	अब्दुल रहमान: संदेश रासक, संपा. डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी (व्याख्या हेतु, प्रथम प्रक्रम)	10
Unit II	चंदबरदाई: (रेवा तट) पृथ्वीराज रासो	10
Unit III	विद्यापति: संपा. शिवप्रसाद सिंह (व्याख्या हेतु केवल रूप वर्णन)लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।)	10
Unit IV	कबीरदास: कबीर वाणी पीयूष, संपा. जयदेव सिंह/वासुदेव सिंह (व्याख्या हेतु प्रारंभ की 40 साखियाँ एवं प्रारम्भ के 5 पद)विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।)	10
Unit V	मलिक मुहम्मद जायसी: पद्मावत – संपा.वासुदेवशरण अग्रवाल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद(व्याख्या हेतु केवल ‘नागमती वियोग’ वर्णन खंड।)	10
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	10

सहायक ग्रंथ –

1. संदेश रासक : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. पृथ्वीराज रासो- भाषा और साहित्य : नामवर सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन
3. कबीर : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. कबीर – एक नई दृष्टि : रघुवंश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. भक्ति आंदोलन और काव्य : गोपेश्वर सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. आदिकालीन हिन्दी साहित्य –अध्ययन की दिशाएँ : सम्पादक -प्रो. अनिल राय, शिवालिक प्रकाशन, दिल्ली

SEMESTER - VII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : सगुण भक्तिकाव्य एवं रीतिकालीन काव्य	4	3	1	0		Nil

FYUP/Honours in the Core Subject

Programme: **HINDI**

Year: IV

Semester: VII Paper-
DSE

Course Code: **DSE⁶**

Course Title: सगुण भक्तिकाव्य एवं रीतिकालीन काव्य

Course Outcomes:

- CO1. शिक्षार्थी मध्यकालीन सगुण भक्तिधारा व उसकी शाखाओं से रीतिकालीन काव्य तक की विभिन्न धाराओं का ऐतिहासिक परिचय एवं सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।
- CO2. शिक्षार्थी सूरदास की रचनाओं का अध्ययन कर सगुण धारा की कृष्णभक्ति शाखा का आलोचनात्मक व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है तथा सूरदास के काव्य में उपस्थित प्रकृति और जीवन के लोक स्वरूप का साक्षात्कार कर पर्यावरण की सुन्दरता व उसके संरक्षण की अनिवार्यता के महत्व को समझता है।
- CO3. शिक्षार्थी तुलसी दास के काव्य का अध्ययन कर सगुण धारा की रामभक्ति शाखा का आलोचनात्मक व सैद्धान्तिक ज्ञान तथा विभिन्न धार्मिक-सामाजिक मान्यताओं व मतों के बीच समन्वय की दृष्टि प्राप्त करता है। यह समन्वयवादी दृष्टि शिक्षार्थी अपने निजी जीवन के भी विभिन्न क्षेत्रों में सफलता हेतु सहायक होती है।
- CO4. शिक्षार्थी केशवदास के काव्य के अध्ययन से भारतीय काव्यशास्त्र का परम्परागत ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5. शिक्षार्थी बिहारी के काव्य के अध्ययन से कविता में भाषा में मितकथन व अलंकारों के सटीक प्रयोग का रचनात्मक व आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त करता है, जिससे उसमें काव्यात्मक अभिरुचि का विकास एवं विस्तार होता।

CO6. शिक्षार्थी घनानंद की कविता के अध्ययन से सामाजिक रूढ़ियों के बीच प्रेम की विलक्षण अनुभूति से परिचित होता है, जिससे वह तत्कालीन से लेकर समकालीन समाज तक की सम्बन्ध आधारित जटिल संरचना के ज्ञान के साथ ही विवेचन की मनोवैज्ञानिक समझ भी प्राप्त करता है।

Credits: 4		Discipline Specific Electives
Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	सूरदास: भ्रमरगीत सार: संपा. आचार्य रामचंद्र शुक्ल (व्याख्या के लिए पद संख्या 50 से 75 तक) नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।	10
Unit II	तुलसीदास: विनयपत्रिका: ((व्याख्या के लिए पद संख्या 51 से 75 तक) गीताप्रेस गोरखपुर।	10
Unit III	केशवदास: संक्षिप्त रामचन्द्रिका: संपा. डॉ. जगन्नाथ तिवारी। (व्याख्या हेतु अयोध्यापुरी वर्णन) रंजन प्रकाशन, सिटी स्टेशन मार्ग आगरा।	10
Unit IV	बिहारी: बिहारी रत्नाकर: संपा. जगन्नाथ दास रत्नाकर (व्याख्या हेतु प्रारंभिक 25 दोहे) प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली।	10
Unit V	घनानंद: घनानंद कवित्त: संपा. आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (व्याख्या हेतु आरंभ के 15 छंद)	10
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	10

सहायक ग्रंथ –

1. भक्ति आंदोलन और भक्तिकाव्य : शिवकुमार मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. सूरदास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. केशवदास : विजयपाल सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य- मैनेजर पांडेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. भक्ति का संदर्भ : देवीशंकर अवस्थी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. गोस्वामी तुलसीदास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

SEMESTER - VII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
GE : अनुवाद : प्रकृति प्रकार और स्वरूप	4	3	1	0		Nil

FYUP/Honours in the Core Subject			
Programme: – Hindi		Year: IV	Semester:VII Paper- GE
Course Code: GE ⁷	Course Title: अनुवाद : प्रकृति प्रकार और स्वरूप		
Course Outcomes:			
CO1. अनुवाद दो भाषाओं के बीच कार्य-व्यवहार को सुगम बनाता है। शिक्षार्थी इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से अनुवाद प्रक्रिया का समग्र परिचय तथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।			
CO2. शिक्षार्थी अनुवाद के स्वरूप, विभिन्न क्षेत्रों तथा सीमाओं का ज्ञान प्राप्त करता है।			
CO3. शिक्षार्थी अनुवाद प्रक्रिया के विभिन्न चरण और प्रविधि यथा विश्लेषण, अर्थान्तरण, पुनर्गठन, सम्प्रेषण आदि का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।			
CO4. शिक्षार्थी समतुल्यता के सिद्धान्त का परिचय तथा अनुवाद के विभिन्न प्रकारों/क्षेत्रों यथा साहित्यिक, कार्यालयी, मानविकी, संचार माध्यमों, वैज्ञानिक एवं तकनीकी इत्यादि का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।			
CO5. शिक्षार्थी अनुवाद की समस्याओं का विस्तृत परिचय प्राप्त करते हुए अनुवाद का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करता है।			
CO6. नयी वैश्विक परिस्थितियों एवं भूमंडलीकृत संसार में संचार, संवाद एवं सम्प्रेषण के सरकारी और गैरसरकारी क्षेत्रों में रोजगार के नए और समृद्ध अवसर उपस्थित हुए हैं। इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से शिक्षार्थी समग्रता में इन अवसरों का लाभ उठाने की मूलभूत योग्यता और विशेषज्ञता अर्जित करता है।			

Credits:4		Generic Electives
Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	अनुवाद: परिभाषा, क्षेत्र और सीमाएँ। अनुवाद का स्वरूप: अनुवाद कला, विज्ञान अथवा शिल्प। अनुवाद की इकाई: शब्द, पदबंध, वाक्य, पाठ।	12
Unit II	अनुवाद की प्रक्रिया और प्रविधि: विश्लेषण, अर्थान्तरण, पुनर्गठन। अनुवाद-प्रक्रिया के विभिन्न चरण, स्रोत भाषा के पाठ का विश्लेषण एवं उसके अर्थग्रहण की प्रक्रिया, स्रोतभाषा और लक्ष्य भाषा की तुलना तथा अर्थान्तरण की प्रक्रिया। अनूदित पाठ का पुनर्गठन और अर्थ-संप्रेषण की प्रक्रिया। अनुवाद-प्रक्रिया की प्रकृति।	12
Unit III	अनुवाद के क्षेत्र एवं प्रकार: कार्यालयी, वैज्ञानिक एवं तकनीकी, साहित्यिक, मानविकी, संचारमाध्यम, विज्ञापन आदि। अनुवाद की समस्याएँ: सृजनात्मक अथवा साहित्यिक अनुवाद की समस्याएँ, कार्यालयी अनुवाद की समस्याएँ, मीडिया क्षेत्र के अनुवाद की समस्याएँ।	12
Unit IV	अनुवाद के उपकरण: कोश, पारिभाषिक शब्दावली, थिसारस, कम्प्यूटर आदि। अनुवाद: पुनरीक्षण, संपादन, मूल्यांकन। मशीनी अनुवाद। अनुवादक के गुण। पाठ की अवधारणा और प्रकृति: पाठ शब्द, प्रति शब्द। शाब्दिक अनुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद, पूर्ण और आंशिक अनुवाद, आशु अनुवाद।	12
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	12

सहायक ग्रंथ –

1. अनुवाद क्या है : डॉ. भू ह राजुरकर, एवं डॉ. राजमल बोरा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. अनुवाद मीमांसा : निर्मला जैन, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
3. अनुवाद विज्ञान की भूमिका : कृष्ण कुमार गोस्वामी, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
4. अनुवाद की समस्याएँ : जी गोपीनाथन, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. अनुवाद की प्रक्रिया – तकनीक और समस्याएँ : डॉ. श्रीनारायण समीर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. अनुवाद विज्ञान – सिद्धान्त और प्रविधि : भोलानाथ तिवारी, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली

SEMESTER - VII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : आदिकालीन एवं निर्गुण भक्तिकाव्य	4	3	1	0		Nil

FYUP/Honours in the Core Subject			
GROUP- 3			
Programme: -HINDI		Year: IV	Semester:VII Paper-DSE
CourseCode: DSE ⁵	Course Title: आदिकालीन एवं निर्गुण भक्तिकाव्य		
Course Outcomes:			
CO1. शिक्षार्थी आदिकाल के कवि अब्दुल रहमान की कृति संदेस रासक के अध्ययन से हिन्दी भाषा के आदिकालीन तथा अपभ्रंश के परवर्ती रूप अवहट्ट का परिचय तथा ज्ञान प्राप्त करता है।			
CO2.शिक्षार्थी आदिकाल के प्रसिद्ध महाकाव्य पृथ्वीराज रासो के अध्ययन से वीरकाव्य की परम्परा तथा आदिकालीन हिन्दी के राजस्थानी प्रभाव वाले अवहट्ट रूप का परिचय तथा ज्ञान प्राप्त करता है।			
CO3.संस्कृत में जयदेव का गीतकाव्य अत्यन्त महत्वपूर्ण है। हिन्दी में यह महत्व विद्यापति को प्राप्त है। शिक्षार्थी विद्यापति के पदों के अध्ययन से गीतकाव्य की समृद्ध भारतीय परम्परा तथा मैथिली भाषा का परिचय तथा ज्ञान प्राप्त करेगा।			

CO4.शिक्षार्थी कबीर की वाणी का अध्ययन करते हुए हिन्दी भक्तिकाव्य में निर्गुण के स्वरूप तथा हिन्दी की संतकाव्य परम्परा का निकट परिचय तथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5.शिक्षार्थी मलिक मोहम्मद जायसी के महाकाव्य पद्मावत का अध्ययन करते हुए हिन्दी भक्तिकाव्य में प्रेमाश्रयी सूफी काव्यधारा का ऐतिहासिक एवं सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits: 4		Discipline Specific Electives
Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	अब्दुल रहमान: संदेश रासक, संपा. डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी (व्याख्या हेतु, प्रथम प्रक्रम)	10
Unit II	चंदबरदाई: (रेवा तट) पृथ्वीराज रासो	10
Unit III	विद्यापति: संपा. शिवप्रसाद सिंह (व्याख्या हेतु केवल रूप वर्णन)लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।)	10
Unit IV	कबीरदास: कबीर वाणी पीयूष, संपा. जयदेव सिंह/वासुदेव सिंह (व्याख्या हेतु प्रारंभ की 40 सांखियाँ एवं प्रारम्भ के 5 पद)विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।)	10
Unit V	मलिक मुहम्मद जायसी: पद्मावत – संपा. वासुदेवशरण अग्रवाल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद(व्याख्या हेतु केवल ‘नागमती वियोग’ वर्णन खंड।)	10
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	10

सहायक ग्रंथ –

1. संदेश रासक : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. पृथ्वीराज रासो- भाषा और साहित्य : नामवर सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन
3. कबीर : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. कबीर – एक नई दृष्टि : रघुवंश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. भक्ति आंदोलन और काव्य : गोपेश्वर सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. आदिकालीन हिन्दी साहित्य –अध्ययन की दिशाएँ : सम्पादक -प्रो. अनिल राय, शिवालिक प्रकाशन, दिल्ली

SEMESTER - VII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
GE : अनुवाद : प्रकृति प्रकार और स्वरूप	4	3	1	0		Nil

FYUP/Honours in the Core Subject			
Programme: -HINDI		Year: IV	Semester:VII Paper- GE
CourseCode: GE ⁷	Course Title: अनुवाद : प्रकृति प्रकार और स्वरूप		
Course Outcomes:			
CO1. अनुवाद दो भाषाओं के बीच कार्य-व्यवहार को सुगम बनाता है। शिक्षार्थी इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से अनुवाद प्रक्रिया का समग्र परिचय तथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।			
CO2. शिक्षार्थी अनुवाद के स्वरूप, विभिन्न क्षेत्रों तथा सीमाओं का ज्ञान प्राप्त करता है।			
CO3. शिक्षार्थी अनुवाद प्रक्रिया के विभिन्न चरण और प्रविधि यथा विश्लेषण, अर्थान्तरण, पुनर्गठन, सम्प्रेषण आदि का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।			
CO4. शिक्षार्थी समतुल्यता के सिद्धान्त का परिचय तथा अनुवाद के विभिन्न प्रकारों/क्षेत्रों यथा साहित्यिक, कार्यालयी, मानविकी, संचार माध्यमों, वैज्ञानिक एवं तकनीकी इत्यादि का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।			
CO5. शिक्षार्थी अनुवाद की समस्याओं का विस्तृत परिचय प्राप्त करते हुए अनुवाद का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करता है।			
CO6. नयी वैश्विक परिस्थितियों एवं भूमंडलीकृत संसार में संचार, संवाद एवं सम्प्रेषण के सरकारी और गैरसरकारी क्षेत्रों में रोजगार के नए और समृद्ध अवसर उपस्थित हुए हैं। इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से शिक्षार्थी समग्रता में इन अवसरों का लाभ उठाने की मूलभूत योग्यता और विशेषज्ञता अर्जित करता है।			

Credits:4		Generic Elective
Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	अनुवाद: परिभाषा, क्षेत्र और सीमाएँ। अनुवाद का स्वरूप: अनुवाद कला, विज्ञान अथवा शिल्प। अनुवाद की इकाई: शब्द, पदबंध, वाक्य, पाठ।	12
Unit II	अनुवाद की प्रक्रिया और प्रविधि: विश्लेषण, अर्थान्तरण, पुनर्गठन। अनुवाद-प्रक्रिया के विभिन्न चरण, स्रोत भाषा के पाठ का विश्लेषण एवं उसके अर्थग्रहण की प्रक्रिया, स्रोतभाषा और लक्ष्य भाषा की तुलना तथा अर्थान्तरण की प्रक्रिया। अनूदित पाठ का पुनर्गठन और अर्थ-संप्रेषण की प्रक्रिया। अनुवाद-प्रक्रिया की प्रकृति।	12
Unit III	अनुवाद के क्षेत्र एवं प्रकार: कार्यालयी, वैज्ञानिक एवं तकनीकी, साहित्यिक, मानविकी, संचारमाध्यम, विज्ञापन आदि। अनुवाद की समस्याएँ: सृजनात्मक अथवा साहित्यिक अनुवाद की समस्याएँ, कार्यालयी अनुवाद की समस्याएँ, मीडिया क्षेत्र के अनुवाद की समस्याएँ।	12
Unit IV	अनुवाद के उपकरण: कोश, पारिभाषिक शब्दावली, थिसारस, कम्प्यूटर आदि। अनुवाद: पुनरीक्षण, संपादन, मूल्यांकन। मशीनी अनुवाद। अनुवादक के गुण। पाठ की अवधारणा और प्रकृति: पाठ शब्द, प्रति शब्द। शाब्दिक अनुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद, पूर्ण और आंशिक अनुवाद, आशु अनुवाद।	12
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	12

सहायक ग्रंथ –

1. अनुवाद क्या है : डॉ. भू ह राजुरकर, एवं डॉ. राजमल बोरा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. अनुवाद मीमांसा : निर्मला जैन, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
3. अनुवाद विज्ञान की भूमिका : कृष्ण कुमार गोस्वामी, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
4. अनुवाद की समस्याएँ : जी गोपीनाथन, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. अनुवाद की प्रक्रिया – तकनीक और समस्याएँ : डॉ. श्रीनारायण समीर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. अनुवाद विज्ञान – सिद्धान्त और प्रविधि : भोलानाथ तिवारी, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली

SEMESTER - VII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
GE : हिन्दी पत्रकारिता	4	3	1	0		Nil

FYUP/Honours in the Core Subject			
Programme: – Hindi			Year: IV Semester:VII Paper- GE
Course Code: GE ⁸		Course Title: हिन्दी पत्रकारिता	
Course Outcomes:			
CO1. पत्रकारिता रोज़गार का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है, जिसका विस्तार बढ़ता जा रहा है। इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से शिक्षार्थी पत्रकारिता का मूलभूत ज्ञान एवं प्रशिक्षण प्राप्त करता है।			
CO2. शिक्षार्थी विश्व तथा हिन्दी पत्रकारिता का ऐतिहासिक परिचय प्राप्त करता है।			
CO3. शिक्षार्थी हिन्दी में पत्रकारिता के मूल तत्वों तथा प्रकारों का तकनीकी ज्ञान एवं प्रशिक्षण प्राप्त करता है।			
CO4. शिक्षार्थी समाचार-संकलन तथा सम्पादन कला के समस्त पक्षों का ज्ञान एवं प्रशिक्षण प्राप्त करता है।			
CO5. शिक्षार्थी पत्रकारिता से सम्बन्धित लेखन यथा सम्पादकीय, फीचर, रिपोर्टाज, साक्षात्कार, खोजी समाचार, अनुवर्तन, दृश्य सामग्री आदि का ज्ञान एवं प्रशिक्षण प्राप्त करता है।			
CO6. शिक्षार्थी इलेक्ट्रानिक मीडिया तथा मुद्रण कला का ज्ञान प्राप्त करता है।			
CO7. शिक्षार्थी भारतीय संविधान, प्रेस कानून तथा पत्रकारिता की आचार संहिता का ज्ञान प्राप्त करता है।			

CO8. समग्रता में शिक्षार्थी पत्रकार बनने की प्रेरणा, आधारभूत ज्ञान तथा प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

Credits:4		Generic Elective
Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	पत्रकारिता का स्वरूप और प्रमुख प्रकार। विश्व पत्रकारिता का उदय, भारत में पत्रकारिता का आरंभ। हिंदी पत्रकारिता का उद्भव और विकास।	10
Unit II	समाचार पत्रकारिता के मूल तत्व- समाचार संकलन तथा लेखन के मुख्य आयाम। संपादन कला के सामान्य सिद्धांत- शीर्षकीकरण, पृष्ठ-विन्यास, आमुख और समाचारपत्र की प्रस्तुति-प्रक्रिया। समाचार पत्रों के विभिन्न स्तंभों की योजना। समाचार के विभिन्न स्रोत। संवाददाता की अर्हता, श्रेणी एवं कार्यपद्धति।	10
Unit III	पत्रकारिता से संबंधित लेखन: संपादकीय, फीचर, रिपोर्टाज, साक्षात्कार, खोजी समाचार, अनुवर्तन (फालोअप) आदि की प्रविधि। दृश्य सामग्री (कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स) की व्यवस्था और फोटो पत्रकारिता। प्रिंट पत्रकारिता और मुद्रणकला, प्रूफ शोधन, ले आउट तथा पृष्ठ-सज्जा। पत्रकारिता का प्रबंधन- प्रशासनिक व्यवस्था, बिक्री तथा वितरण व्यवस्था।	10
Unit IV	इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की पत्रकारिता: रेडियो, टी0वी0, वीडियो, केबल, मल्टी मीडिया और इंटरनेट की पत्रकारिता। लोक-संपर्क तथा विज्ञापन। प्रसार भारती तथा सूचना प्रौद्योगिकी।	10
Unit V	मुक्त प्रेस की अवधारणा। प्रेस संबंधी प्रमुख कानून तथा आचार संहिता। प्रजातंत्रिक व्यवस्था में चतुर्थ स्तंभ के रूप में पत्रकारिता का दायित्व।	10
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	10

सहायक ग्रंथ –

1. हिन्दी पत्रकारिता हमारी विरासत : प्रो. शंभुनाथ, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिन्दी पत्रकारिता का बृहद इतिहास : अर्जुन तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंसार : ठाकुरदत्त शर्मा आलोक, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. भारतीय प्रेसकानून और आचार संहिता : शशि प्रकाश राय, आर के पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, नई दिल्ली

SEMESTER - VII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 90

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DISSERTATION	6	2	2	2		Nil

FYUP/Honours in the Core Subject			
Programme: – Hindi		Year: IV	Semester:VII Paper- DISSERTATION
Course Code: DISSERTATION	Course Title: DISSERTATION		
Course Outcomes: CO1. शिक्षार्थी शोध के अर्थ, स्वरूप और महत्व का ज्ञान प्राप्त करता है। CO2. शिक्षार्थी भाषा और साहित्य की शोध प्रविधि का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है। CO3. शिक्षार्थी शोध प्रक्रिया का व्यावहारिक ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है। CO4. शिक्षार्थी शोध प्रबंध के लेखन का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है। CO5. शिक्षार्थी शोध के अकादमिक तथा सामाजिक उद्देश्य तथा महत्व का परिचय प्राप्त करता है।			
Credits:6			

Unit	Topic	No. of Hours
GROUP-I OR	Dissertation on Major	
GROUP II OR	Dissertation on Minor	
GROUP III	Academic Project/ Enterprenureship	
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	

SEMESTER – VIII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSC : पाश्चात्य काव्यशास्त्र	4	3	1	0		Nil

FYUP/Honours in the Core Subject			
Programme: -HINDI		Year: IV	Semester:VIII Paper-DSC
Course Code: DSC ⁸	Course Title: पाश्चात्य काव्यशास्त्र		
Course Outcomes:			
CO1. शिक्षार्थी साहित्यालोचन की पश्चिमी परम्परा का विस्तृत ऐतिहासिक परिचय तथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।			
CO2. शिक्षार्थी प्राचीन यूनानी विचारक प्लेटो, अरस्तू तथा लॉगिनुस की काव्य मूल्यांकन सम्बन्धी मान्यताओं और स्थापनाओं यथा काव्य- सत्य, अनुकरण व विवेचन, त्रासदी विवेचन, उदात्त की अवधारणा आदि का ऐतिहासिक तथा सैद्धान्तिक परिचय प्राप्त करता है।			
CO3. शिक्षार्थी अंग्रेज़ी के महत्वपूर्ण साहित्यालोचक मैथ्यू आर्नल्ड, क्रोचे, आई. ए. रिचर्ड्स और टी. एस. इलियट, वर्ड्सवर्थ और कालरिज के समालोचन सिद्धान्तों का ऐतिहासिक परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।			
CO4. शिक्षार्थी अत्यन्त महत्वपूर्ण अंग्रेज़ी कवि वर्ड्सवर्थ के काव्यभाषा सिद्धान्त और कॉलरिज के कल्पना सिद्धान्त का ऐतिहासिक परिचय और सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।			
Credits: 4		Discipline Specific Course	

Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	पाश्चात्य काव्यशास्त्र: संक्षिप्त परिचय. प्लेटो के काव्य सिद्धांत	10
Unit II	अरस्तू: अनुकरण सिद्धांत, विरेचन सिद्धांत एवं त्रासदी विवेचन, लॉजाइन्स: उदात्त की अवधारणा एवं भेद।	10
Unit III	वर्ड्सवर्थ: काव्यभाषा सिद्धांत, कालरिज: कल्पना और फैंटेसी सिद्धांत।	
Unit IV	मैथ्यू आर्नल्ड: कला और नैतिकता का सिद्धांत, क्रोचे: अभिव्यंजनावाद,	10
Unit V	टी. एस. इलियट: कला की निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, आई. ए. रिचर्ड्स: काव्यमूल्य	10
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	10

सहायक ग्रंथ-

1. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र : गणपतिचंद्र गुप्त, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : तारकनाथ बाली, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. पाश्चात्य साहित्य चिंतन : सम्पादक निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
4. उदात्त के विषय में : निर्मला जैन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – नई प्रवृत्तियाँ : राजनाथ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

SEMESTER – VIII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : हिन्दी साहित्य का वृहत इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)	4	3	1	0		Nil

FYUP/Honours in the Core Subject			
GROUP- 1			
Programme: -HINDI		Year: IV	Semester:VIII Paper-DSE
CourseCode: DSE ⁸	Course Title: हिन्दी साहित्य का वृहत इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)		
Course Outcomes:			
CO1 शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा, प्रविधि, काल-विभाजन पद्धति, नामकरण की समस्या व औचित्य के कारणों का ऐतिहासिक व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।			
CO2.शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के आदिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियों तथा आदिकालीन हिन्दी साहित्य के अध्ययन से जैन साहित्य, बौद्ध साहित्य, नाथ साहित्य , वीरकाव्य-रासो साहित्य आदि का सैद्धान्तिक ज्ञान और चंद बरदाई, अब्दुल रहमान, जगनिक, स्वयंभू, धनपाल, नरपति नाल्ह, विद्यापति आदि महत्वपूर्ण कवियों के कृतित्व का ऐतिहासिक परिचय प्राप्त करता है।			

CO3.शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के पूर्व मध्यकाल/भक्तिकाल के प्रमुख कवियों का ऐतिहासिक परिचय तथा प्रमुख काव्यधाराओं एवं प्रवृत्तियों का सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।
 CO4.शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के उत्तर मध्यकाल /रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि का परिचय एवं प्रमुख प्रवृत्तियों का सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।
 CO5.शिक्षार्थी रीतिकालीन कवि-आचार्यों द्वारा रचित लक्षण ग्रंथों की परम्परा का ऐतिहासिक परिचय प्राप्त करता है।
 CO6.शिक्षार्थी रीतिकाल की काव्यधाराओं यथा रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध तथा रीतिमुक्त तथा उनके प्रतिनिधि कवियों का ऐतिहासिक परिचय एवं उनकी कविता के चमत्कारपूर्ण शिल्पगत वैशिष्ट्य का ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits: 4		Discipline Specific Electives
Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा, काल विभाजन और नामकरण, हिंदी साहित्य का आदिकाल: नामकरण और प्रमुख प्रवृत्तियाँ, नाथ-सिद्ध साहित्य परंपरा, रासो काव्य परंपरा, आदिकाल के प्रतिनिधि कवि और उनकी रचनाएँ।	12
Unit II	मध्यकाल: भक्तिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और प्रमुख प्रवृत्तियाँ, निर्गुण संत काव्य और उसकी प्रमुख प्रवृत्तियाँ, सूफी काव्य परंपरा।	12
Unit III	भक्तिकाल की सगुण काव्यधारा: रामभक्ति परंपरा, कृष्णभक्ति परंपरा, भक्तिकाल के प्रमुख कवि और उनकी रचनाएँ।	12
Unit IV	रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और प्रमुख प्रवृत्तियाँ, लक्षण ग्रंथ-परंपरा, रीतिकाल की काव्यधाराएँ: रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त काव्य, प्रमुख कवि और उनकी रचनाएँ।	12
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	12

सहायक ग्रंथ –

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : सम्पादक डॉ. नगेन्द्र
2. हिन्दी साहित्य की भूमिका : हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

3. हिन्दी साहित्य का आदिकाल : हजारी प्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. रीतिकाव्य – नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन
6. भक्ति और भक्ति आंदोलन : सेवा सिंह, आधार प्रकाशन, पंचकूला(हरियाणा)

SEMESTER – VIII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : हिन्दी साहित्य का वृहत इतिहास (आधुनिक काल)	4	3	1	0		Nil

FYUP/Honours in the Core Subject		
Programme: -HINDI	Year: IV	Semester:VIII Paper- DSE
Course Code: DSE ⁹	Course Title: हिन्दी साहित्य का वृहत इतिहास (आधुनिक काल)	
Course Outcomes:		
CO1. शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के आधुनिक काल का ऐतिहासिक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।		
CO2. शिक्षार्थी आधुनिक काल के राजनीतिक, सामाजिक तथा सांस्कृतिक परिदृश्य का ऐतिहासिक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।		
CO3. शिक्षार्थी आधुनिक काल में अस्तित्व में आए साहित्यिक आंदोलनों अथवा विशिष्ट धाराओं यथा छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद आदि का सैद्धान्तिक ज्ञान तथा नवीन रचना-दृष्टि के आलोक में उनके प्रमुख रचनाकारों का परिचय प्राप्त करता है।		

CO4.शिक्षार्थी हिन्दी में गद्य लेखन के उद्भव-विकास तथा गद्य की प्रमुख विधाओं यथा नाटक, कहानी, उपन्यास और निबंध का ऐतिहासिक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO5.शिक्षार्थी कथेतर गद्य के अन्तर्गत स्मारक साहित्य और उसकी विधाओं यथा संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा, यात्रावृत्तांत, फीचर, डायरी, रिपोर्टाज आदि का परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits: 4		Discipline Specific Electives
Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	आधुनिक काल की पृष्ठभूमि: भारतेन्दु युग: प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार एवं उनकी रचनाएँ, द्विवेदी युग: प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार एवं उनकी रचनाएँ।	12
Unit II	छायावाद: प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार एवं उनकी रचनाएँ, छायावादोत्तर युग: प्रगतिवाद, प्रयोगवाद: प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार एवं उनकी रचनाएँ, समकालीन हिंदी साहित्य: पृष्ठभूमि, प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि।	12
Unit III	हिंदी गद्य साहित्य का विकास: नाटक, एकांकी, उपन्यास, कहानी एवं निबंध।	12
Unit IV	हिंदी का स्मारक साहित्य: संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा, यात्रावृत्तांत, फीचर, डायरी, रिपोर्टाज आदि।	12
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	12

पाठ्यपुस्तक

1.हिन्दी साहित्य का इतिहास : सम्पादक डॉ. नगेन्द्र

सहायक ग्रंथ –

1. भारतेन्दु हरिश्चंद्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिन्दी नवजागरण और महावीर प्रसाद द्विवेदी : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिन्दी उपन्यास का विकास : मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. हिन्दी कहानी का विकास : मधुरेश, , लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

5. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. हिन्दी नाटक – उद्भव और विकास, दशरथ ओझा, राजपाल एंड संस, नई दिल्ली
7. स्मारक साहित्य और उसकी विधाएँ : निर्मलाढैला एवं रेखा ढैला, ग्रंथायन, अलीगढ़
8. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास : बच्चन सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

SEMESTER – VIII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE :आधुनिक हिन्दी काव्य (छायावाद तक)	4	3	1	0		Nil

FYUP/Honours in the Core Subject			
Programme: – HINDI		Year: IV	Semester:VIII Paper- DSE
Course Code: DSE ¹⁰	Course Title: आधुनिक हिन्दी काव्य (छायावाद तक)		
Course Outcomes:			
CO1. शिक्षार्थी आधुनिक कविता के आरम्भ का रचनात्मक परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।			
CO2. शिक्षार्थी हिन्दी नवजागरण में खड़ी बोली हिन्दी में काव्यरचना के सशक्त आरम्भ के साक्ष्य प्राप्त करता है। मैथिलीशरण गुप्त कृत साकेत की विषयवस्तु उसे हिन्दी कविता में स्त्री के मूक संघर्षों व बलिदानों के चित्रण का महत्वपूर्ण अभिलेख बनाती है, शिक्षार्थी इस पुस्तक के अध्ययन से हिन्दी में स्त्री विमर्श के बहुत आरंभिक स्वरूप का ज्ञान प्राप्त करता है।			
CO3. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित कवियों जयशंकर प्रसाद, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, सुमित्रानंदन पंत एवं महादेवी वर्मा और उनकी कविताओं के अध्ययन से छायावाद युग का ऐतिहासिक व सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करता है।			
CO4. शिक्षार्थी छायावादी कविता के अध्ययन से प्रकृति, प्रेम, सौन्दर्य, भारत की गहन भारतीय परम्परा तथा विचार की नवीन आधुनिक सरणियों/पद्धतियों का रचनात्मक एवं			

सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits:4		Discipline Specific Electives
Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	मैथिलीशरण गुप्त: साकेत (व्याख्या के लिए केवल नवम सर्ग), साकेत प्रकाशन, चिरगांव झाँसी।	10
Unit II	जयशंकर प्रसाद: कामायनी (व्याख्या के लिए केवल श्रद्धा और इड़ा सर्ग), नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।	10
Unit III	सूर्यकांत त्रिपाठी निराला: राग-विराग, संपा. रामविलास शर्मा (व्याख्या के लिए 'राम की शक्तिपूजा'), लोकभारती प्रकाशन, महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद।	10
Unit IV	सुमित्रानंदन पंत: रश्मिबंध (व्याख्या के लिए प्रारंभिक 15 कविताएँ), राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।	10
Unit V	महादेवी वर्मा: संधिनी (व्याख्या के लिए कविता संख्या 25 से 40 तक), लोकभारती प्रकाशन, महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद।	10
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	10

सहायक ग्रंथ –

1. मैथिलीशरण : नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. जयशंकर प्रसाद: नंददुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली,
3. छायावाद – प्रसाद, निराला, महादेवी और पंत : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. निराला : आत्महंता आस्था – दूधनाथ सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. महादेवी : दूधनाथ सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. कवि सुमित्रानंदन पंत : नंदकिशोर नवल, नंददुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. कामायनी एक पुनर्विचार : गजानन माधव मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

SEMESTER – VIII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : हिन्दी साहित्य का वृहत इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)	4	3	1	0		Nil

FYUP/Honours in the Core Subject			
GROUP- 2			
Programme: -HINDI		Year: IV	Semester:VIII Paper-DSE
CourseCode: DSE ⁸	Course Title: हिन्दी साहित्य का वृहत इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)		
Course Outcomes:			
CO1. शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा, प्रविधि, काल-विभाजन पद्धति, नामकरण की समस्या व औचित्य के कारणों का ऐतिहासिक व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।			
CO2.शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के आदिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियों तथा आदिकालीन हिन्दी साहित्य के अध्ययन से जैन साहित्य, बौद्ध साहित्य, नाथ साहित्य , वीरकाव्य-रासो साहित्य आदि का सैद्धान्तिक ज्ञान और चंद बरदाई, अब्दुल रहमान, जगनिक, स्वयंभू, धनपाल, नरपति नाल्ह, विद्यापति आदि महत्वपूर्ण कवियों के कृतित्व का ऐतिहासिक परिचय प्राप्त करता है।			

CO3.शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के पूर्व मध्यकाल/भक्तिकाल के प्रमुख कवियों का ऐतिहासिक परिचय तथा प्रमुख काव्यधाराओं एवं प्रवृत्तियों का सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।
 CO4.शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के उत्तर मध्यकाल /रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि का परिचय एवं प्रमुख प्रवृत्तियों का सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।
 CO5.शिक्षार्थी रीतिकालीन कवि-आचार्यों द्वारा रचित लक्षण ग्रंथों की परम्परा का ऐतिहासिक परिचय प्राप्त करता है।
 CO6.शिक्षार्थी रीतिकाल की काव्यधाराओं यथा रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध तथा रीतिमुक्त तथा उनके प्रतिनिधि कवियों का ऐतिहासिक परिचय एवं उनकी कविता के चमत्कारपूर्ण शिल्पगत वैशिष्ट्य का ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits: 4		Discipline Specific Electives
Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा, काल विभाजन और नामकरण, हिंदी साहित्य का आदिकाल: नामकरण और प्रमुख प्रवृत्तियाँ, नाथ-सिद्ध साहित्य परंपरा, रासो काव्य परंपरा, आदिकाल के प्रतिनिधि कवि और उनकी रचनाएँ।	12
Unit II	मध्यकाल: भक्तिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और प्रमुख प्रवृत्तियाँ, निर्गुण संत काव्य और उसकी प्रमुख प्रवृत्तियाँ, सूफी काव्य परंपरा।	12
Unit III	भक्तिकाल की सगुण काव्यधारा: रामभक्ति परंपरा, कृष्णभक्ति परंपरा, भक्तिकाल के प्रमुख कवि और उनकी रचनाएँ।	12
Unit IV	रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और प्रमुख प्रवृत्तियाँ, लक्षण ग्रंथ-परंपरा, रीतिकाल की काव्यधाराएँ: रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त काव्य, प्रमुख कवि और उनकी रचनाएँ।	12
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	12

पाठ्यपुस्तक

1.हिन्दी साहित्य का इतिहास : सम्पादक डॉ. नगेन्द्र

सहायक ग्रंथ -

1. हिन्दी साहित्य की भूमिका : हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिन्दी साहित्य का आदिकाल : हजारी प्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

4. रीतिकाव्य – नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन
5. भक्ति और भक्ति आंदोलन : सेवा सिंह, आधार प्रकाशन, पंचकूला(हरियाणा)
6. भक्ति आंदोलन के सामाजिक आधार : गोपेश्वर सिंह, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली
7. निर्गुण काव्य में नारी : प्रो. अनिल राय, सार्थक प्रकाशन, दिल्ली

SEMESTER – VIII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : हिन्दी साहित्य का वृहत इतिहास (आधुनिक काल)	4	3	1	0		Nil

FYUP/Honours in the Core Subject			
Programme: -HINDI		Year: IV	Semester:VIII Paper- DSE
CourseCode: DSE ⁹	Course Title: हिन्दी साहित्य का वृहत इतिहास (आधुनिक काल)		
Course Outcomes: CO1. शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के आधुनिक काल का ऐतिहासिक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है। CO2. शिक्षार्थी आधुनिक काल के राजनीतिक, सामाजिक तथा सांस्कृतिक परिदृश्य का ऐतिहासिक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है। CO3. शिक्षार्थी आधुनिक काल में अस्तित्व में आए साहित्यिक आंदोलनों अथवा विशिष्ट धाराओं यथा छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद आदि का सैद्धान्तिक ज्ञान तथा नवीन रचना-दृष्टि के आलोक में उनके प्रमुख रचनाकारों का परिचय प्राप्त करता है। CO4. शिक्षार्थी हिन्दी में गद्य लेखन के उद्भव-विकास तथा गद्य की प्रमुख विधाओं यथा नाटक, कहानी, उपन्यास और निबंध का ऐतिहासिक परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।			

CO5. शिक्षार्थी कथेतर गद्य के अन्तर्गत स्मारक साहित्य और उसकी विधाओं यथा संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा, यात्रावृत्तांत, फीचर, डायरी, रिपोर्टाज आदि का परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits: 4		Discipline Specific Electives
Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	आधुनिक काल की पृष्ठभूमि: भारतेन्दु युग: प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार एवं उनकी रचनाएँ, द्विवेदी युग: प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार एवं उनकी रचनाएँ।	12
Unit II	छायावाद: प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार एवं उनकी रचनाएँ, छायावादोत्तर युग: प्रगतिवाद, प्रयोगवाद: प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार एवं उनकी रचनाएँ, समकालीन हिंदी साहित्य: पृष्ठभूमि, प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि।	12
Unit III	हिंदी गद्य साहित्य का विकास: नाटक, एकांकी, उपन्यास, कहानी एवं निबंध।	12
Unit IV	हिंदी का स्मारक साहित्य: संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा, यात्रावृत्तांत, फीचर, डायरी, रिपोर्टाज आदि।	12
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	12

पाठ्यपुस्तक

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : सम्पादक डॉ. नगेन्द्र

सहायक ग्रंथ –

1. भारतेन्दु हरिश्चंद्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिन्दी नवजागरण और महावीर प्रसाद द्विवेदी : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिन्दी उपन्यास का विकास : मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. हिन्दी कहानी का विकास : मधुरेश, , लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. हिन्दी नाटक – उद्भव और विकास, दशरथ ओझा, राजपाल एंड संस, नई दिल्ली
7. स्मारक साहित्य और उसकी विधाएँ : निर्मला ढैला एवं रेखा ढैला, ग्रंथायन, अलीगढ़

SEMESTER – VIII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
GE : आधुनिक पाश्चात्य विचारधाराएं	4	3	1	0		Nil

FYUP/Honours in the Core Subject			
Programme: – Hindi		Year: IV	Semester: VIII Paper- GE
Course Code: GE ⁹	Course Title: आधुनिक पाश्चात्य विचारधाराएं और सिद्धांत		
Course Outcomes:			
CO1. शिक्षार्थी योरोपीय पुनर्जागरण का ऐतिहासिक ज्ञान प्राप्त करता है। यही परिघटना सभी आधुनिक पाश्चात्य विचारधाराओं की आधारभूमि है।			
CO2. शिक्षार्थी सिद्धान्त रूप में आधुनिकता का अध्ययन करते हुए मार्क्स के सामान्य सिद्धान्तों का ज्ञान करता है। यही सिद्धान्त बीसवीं शताब्दी में पश्चिम के आधुनिक विचार संसार की केन्द्रीय धुरी रहे हैं। इनका विश्व-साहित्य पर बहुत प्रभाव रहा है।			
CO3. शिक्षार्थी मनोविश्लेषण के आधुनिक विज्ञान पर आधारित साहित्यिक विवेचना पद्धति का अध्ययन करता है।			
CO4. शिक्षार्थी अस्तित्ववाद का अध्ययन करते हुए बीसवीं सदी के एक प्रमुख विचार तथा उससे प्रेरित साहित्य व आलोचना का ज्ञान प्राप्त करता है।			
CO5. शिक्षार्थी साहित्य, समाज तथा भाषा के बीच सम्बन्ध का अध्ययन करते हुए भाषा के संरचना आधारित आकलन का ज्ञान प्राप्त करता है।			
CO6. शिक्षार्थी बीसवीं सदी के उत्तरार्द्ध में भाषा, साहित्य, समाज व राजनीति के उत्तरआधुनिक सिद्धान्तों व विमर्शों का ज्ञान प्राप्त करता है।			

Credits:4		Generic Elective
Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	पृष्ठभूमि – पुनर्जागरण	10
Unit II	आधुनिकता और मार्क्सवाद	10
Unit III	मनोविश्लेषणवाद	10
Unit IV	अस्तित्ववाद	10
Unit V	संरचनावाद	10
Unit VI	उत्तरआधुनिकता	5
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	5

सहायक ग्रंथ –

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – नई प्रवृत्तियाँ, राजनाथ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. उत्तरआधुनिक साहित्य विमर्श, सुधीश पचौरी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. नयी समीक्षा के प्रतिमान, निर्मला जैन, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली

SEMESTER – VIII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : हिन्दी साहित्य का वृहत इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)	4	3	1	0		Nil

FYUP/Honours in the Core Subject		
GROUP- 3		
Programme: -HINDI		Year: IV Semester:VIII Paper-DSE
CourseCode: DSE ⁸	Course Title: हिन्दी साहित्य का वृहत इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)	
Course Outcomes:		
CO1. शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा, प्रविधि, काल-विभाजन पद्धति, नामकरण की समस्या व औचित्य के कारणों का ऐतिहासिक व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।		
CO2.शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के आदिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियों तथा आदिकालीन हिन्दी साहित्य के अध्ययन से जैन साहित्य, बौद्ध साहित्य, नाथ साहित्य , वीरकाव्य-रासो साहित्य आदि का सैद्धान्तिक ज्ञान और चंद बरदाई, अब्दुल रहमान, जगनिक, स्वयंभू, धनपाल, नरपति नाल्ह, विद्यापति आदि महत्वपूर्ण कवियों के कृतित्व का ऐतिहासिक परिचय प्राप्त करता है।		

CO3.शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के पूर्व मध्यकाल/भक्तिकाल के प्रमुख कवियों का ऐतिहासिक परिचय तथा प्रमुख काव्यधाराओं एवं प्रवृत्तियों का सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।
 CO4.शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के उत्तर मध्यकाल /रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि का परिचय एवं प्रमुख प्रवृत्तियों का सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।
 CO5.शिक्षार्थी रीतिकालीन कवि-आचार्यों द्वारा रचित लक्षण ग्रंथों की परम्परा का ऐतिहासिक परिचय प्राप्त करता है।
 CO6.शिक्षार्थी रीतिकाल की काव्यधाराओं यथा रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध तथा रीतिमुक्त तथा उनके प्रतिनिधि कवियों का ऐतिहासिक परिचय एवं उनकी कविता के चमत्कारपूर्ण शिल्पगत वैशिष्ट्य का ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits: 4		Discipline Specific Electives
Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा, काल विभाजन और नामकरण, हिंदी साहित्य का आदिकाल: नामकरण और प्रमुख प्रवृत्तियाँ, नाथ-सिद्ध साहित्य परंपरा, रासो काव्य परंपरा, आदिकाल के प्रतिनिधि कवि और उनकी रचनाएँ।	12
Unit II	मध्यकाल: भक्तिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और प्रमुख प्रवृत्तियाँ, निर्गुण संत काव्य और उसकी प्रमुख प्रवृत्तियाँ, सूफी काव्य परंपरा।	12
Unit III	भक्तिकाल की सगुण काव्यधारा: रामभक्ति परंपरा, कृष्णभक्ति परंपरा, भक्तिकाल के प्रमुख कवि और उनकी रचनाएँ।	12
Unit IV	रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और प्रमुख प्रवृत्तियाँ, लक्षण ग्रंथ-परंपरा, रीतिकाल की काव्यधाराएँ: रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त काव्य, प्रमुख कवि और उनकी रचनाएँ।	12
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	12

पाठ्यपुस्तक

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : सम्पादक डॉ. नगेन्द्र

सहायक ग्रंथ -

- 1.हिन्दी साहित्य की भूमिका : हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- 2.हिन्दी साहित्य का आदिकाल : हजारी प्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- 3.हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. रीतिकाव्य – नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन

SEMESTER – VIII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
GE : आधुनिक पाश्चात्य विचारधाराएं	4	3	1	0		Nil

FYUP/Honours in the Core Subject			
Programme: -HINDI		Year: IV	Semester:VIII Paper- GE
CourseCode: GE ⁹	Course Title: आधुनिक पाश्चात्य विचारधाराएं और सिद्धांत		
Course Outcomes:			
CO1. शिक्षार्थी योरोपीय पुनर्जागरण का ऐतिहासिक ज्ञान प्राप्त करता है। यही परिघटना सभी आधुनिक पाश्चात्य विचारधाराओं की आधारभूमि है।			
CO2. शिक्षार्थी सिद्धान्त रूप में आधुनिकता का अध्ययन करते हुए मार्क्स के सामान्य सिद्धान्तों का ज्ञान करता है। यही सिद्धान्त बीसवीं शताब्दी में पश्चिम के आधुनिक विचार संसार की केन्द्रीय धुरी रहे हैं। इनका विश्व-साहित्य पर बहुत प्रभाव रहा है।			
CO3. शिक्षार्थी मनोविश्लेषण के आधुनिक विज्ञान पर आधारित साहित्यिक विवेचना पद्धति का अध्ययन करता है।			
CO4. शिक्षार्थी अस्तित्ववाद का अध्ययन करते हुए बीसवीं सदी के एक प्रमुख विचार तथा उससे प्रेरित साहित्य व आलोचना का ज्ञान प्राप्त करता है।			
CO5. शिक्षार्थी साहित्य, समाज तथा भाषा के बीच सम्बन्ध का अध्ययन करते हुए भाषा के संरचना आधारित आकलन का ज्ञान प्राप्त करता है।			
CO6. शिक्षार्थी बीसवीं सदी के उत्तरार्द्ध में भाषा, साहित्य, समाज व राजनीति के उत्तरआधुनिक सिद्धान्तों व विमर्शों का ज्ञान प्राप्त करता है।			

Credits:4		Generic Elective
Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	पृष्ठभूमि – पुनर्जागरण	10
Unit II	आधुनिकता और मार्क्सवाद	10
Unit III	मनोविश्लेषणवाद	8
Unit IV	अस्तित्ववाद	8
Unit V	संरचनावाद	8
Unit VI	उत्तरआधुनिकता	8
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	8

सहायक ग्रंथ –

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – नई प्रवृत्तियाँ, राजनाथ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. उत्तरआधुनिक साहित्य विमर्श, सुधीश पचौरी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. नयी समीक्षा के प्रतिमान, निर्मला जैन, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली
4. उत्तरआधुनिकता (बहुआयामी संदर्भ) , पांडेय शशिभूषण शीतांशु

SEMESTER – VIII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
GE : विशिष्ट अध्ययन : कबीर	4	3	1	0		Nil

FYUP/Honours in the Core Subject				
Programme: – Hindi			Year: IV	Semester:VIII Paper- GE
Course Code: GE ¹⁰		Course Title: विशिष्ट अध्ययन : कबीर		
Course Outcomes:				
CO1. विश्व की प्राचीन कविता परम्परा में भारत की भक्तिकालीन निर्गुण धारा के कवि कबीर का महत्वपूर्ण स्थान है। विश्व भर में उन पर शोधकार्य हुए हैं। इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से शिक्षार्थी कबीर की कविता एवं दर्शन का रचनात्मक परिचय तथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।				
CO2. शिक्षार्थी कबीर के अध्ययन से भक्ति आंदोलन, संत परम्परा तथा निर्गुण काव्यधारा का ऐतिहासिक परिचय तथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।				
CO3. शिक्षार्थी कबीर के अध्ययन से मध्यकालीन भारतीय समाज तथा उसमें उपस्थित जाति-धर्म, अज्ञान, अंधविश्वास आदि के विरुद्ध प्रतिरोध का रचनात्मक परिचय तथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।				
CO4. शिक्षार्थी कविता के दार्शनिक पक्ष का परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।				

CO5. शिक्षार्थी कविता के सामाजिक पक्ष का परिचय व सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO6. शिक्षार्थी साहित्य की समग्र आध्यात्मिक एवं सामाजिक समीक्षा का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

Credits:4		Generic Elective
Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	व्याख्या हेतु : कबीर – हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन समूह, नई दिल्ली (पद संख्या : 160-209)	20
Unit II	भूमिका : कबीर ग्रंथावली- परिमार्जित पाठ- संपा. श्यामसुंदर दास: नवीन परिमार्जित संस्करण- पुरुषोत्तम अग्रवाल राजकमल प्रकाशन समूह, दिल्ली	15
Unit III	सैद्धान्तिक अध्ययन हेतु : कबीर – हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन समूह, नई दिल्ली	15
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	10

सहायक ग्रंथ –

1. कबीर की खोज : राजकिशोर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. कबीर की चिंता – बलदेव वंशी , वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. अकथ कहानी प्रेम की : पुरुषोत्तम अग्रवाल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. कबीर : सम्पादक – विजयेन्द्र स्नातक, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

SEMESTER – VIII

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 90

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DISSERTATION	6	2	2	2		Nil

FYUP/Honours in the Core Subject		
Programme: – Hindi		Year: IV Semester:VIII Paper- DISSERTATION
Course Code: DISSERTATION	Course Title: DISSERTATION	
Course Outcomes: CO1. शिक्षार्थी शोध के अर्थ, स्वरूप और महत्व का ज्ञान प्राप्त करता है। CO2. शिक्षार्थी भाषा और साहित्य की शोध प्रविधि का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है। CO3. शिक्षार्थी शोध प्रक्रिया का व्यावहारिक ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है। CO4. शिक्षार्थी शोध प्रबंध के लेखन का ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करता है। CO5. शिक्षार्थी शोध के अकादमिक तथा सामाजिक उद्देश्य तथा महत्व का परिचय प्राप्त करता है।		
Credits:6		

Unit	Topic	No. of Hours
GROUP-I OR	Dissertation on Major	
GROUP II OR	Dissertation on Minor	
GROUP III	Academic Project/ Enterprenureship	
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	

दिनांक – 25-07-2025



प्रो. शिरीष कुमार मौर्य
अध्यक्ष
हिन्दी एवं अन्य भारतीय भाषा विभाग
डी.एस.बी. परिसर, नैनीताल